चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 06 अगस्त 2026, अंक –329.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

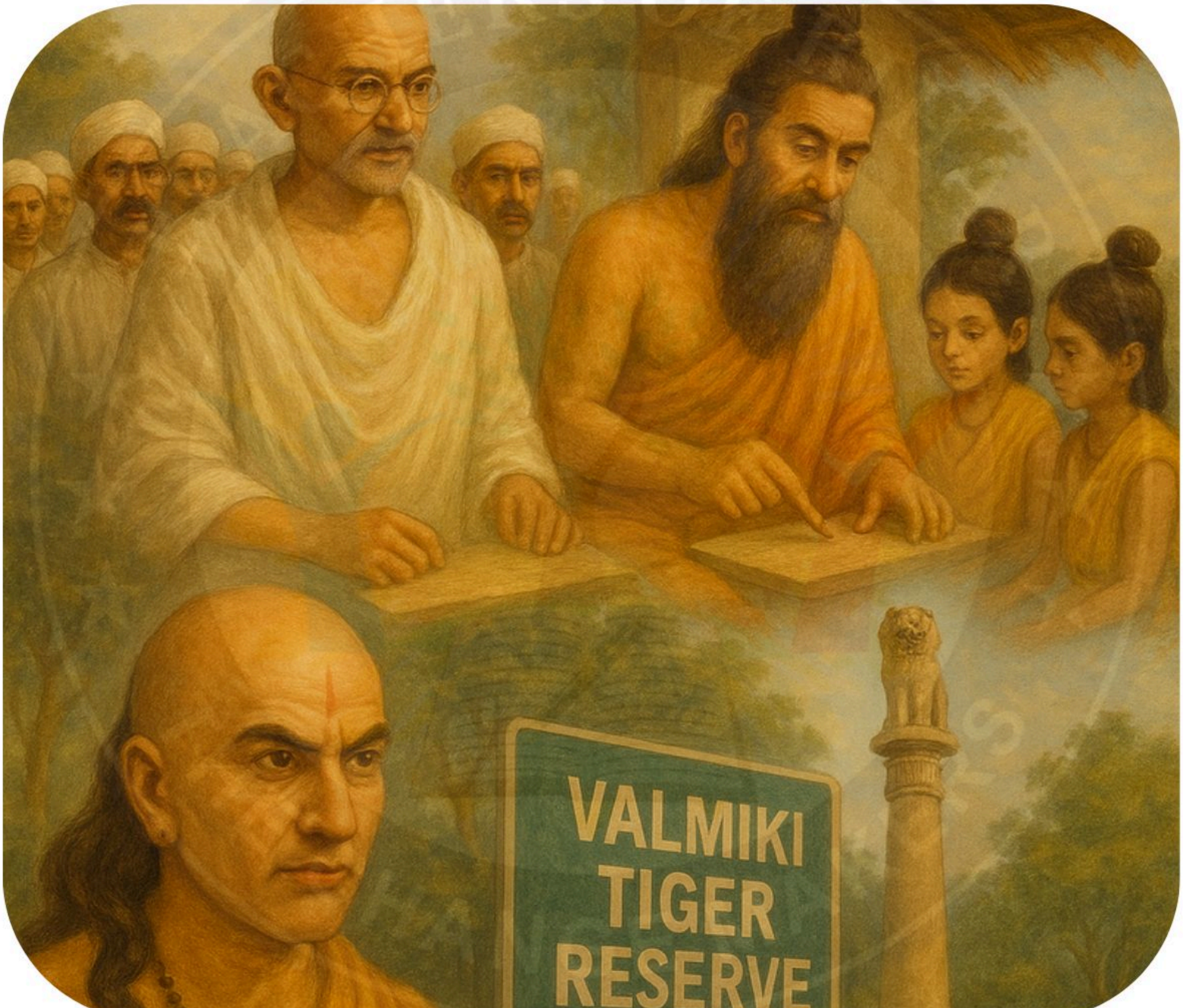

"बिना शिक्षा के व्यक्ति बिना पंख के पक्षी जैसा है।"

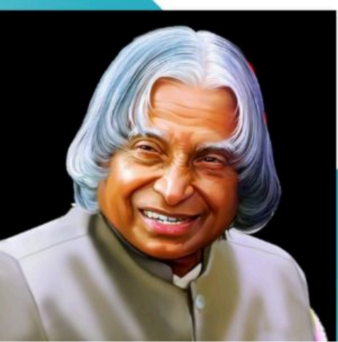

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

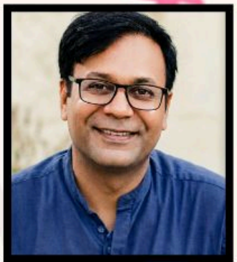

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्वीडन की राजधानी क्या है?
उत्तर: स्टॉकहोम
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राज्यसभा की उपसभापति कौन थीं?
उत्तर: वायलेट अल्वा
प्रश्न 3. 'यक्षगान' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य/नृत्य शैली है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 729 का घनमूल (Cube Root) क्या है?
उत्तर: 9
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'ककोलत जलप्रपात' स्थित है?
उत्तर: नवादा
प्रश्न 6. पेरियार राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7. टेलीफोन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: अलेक्जेंडर ग्राहम बेल
प्रश्न 8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में वर्णित चार आदर्श (Justice, Liberty, Equality, Fraternity) के हिन्दी नाम क्या हैं?
उत्तर: न्याय, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व
प्रश्न 9. 'सुगंध' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: सौरभ
प्रश्न 10. पौधे वातावरण से कौन-सी गैस लेकर प्रकाश संश्लेषण करते हैं?
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड

संकलन:-
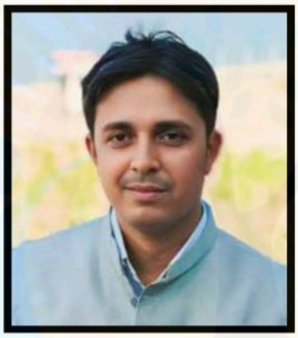
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Forearm – (फोरआर्म) – अग्रबाहु
Fist – (फिस्ट) – मुट्ठी
Armpit – (आर्मपिट) – बगल (काँख)
Back – (बैक) – पीठ
Waistline – (वेस्टलाइन) – कमर का घेरा
Rib – (रिब) – पसली
Chinbone – (चिनबोन) – ठुड्डी की हड्डी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "हम ... नहीं करेंगे" (We will not / We won't ...)

हम कल नहीं पढ़ेंगे। – We will not study tomorrow.
हम तुम्हारी मदद नहीं करेंगे। – We will not help you.
हम समय पर नहीं आएँगे। – We will not come on time.
हम अपना काम पूरा नहीं करेंगे। – We will not finish our work.
हम अंग्रेज़ी नहीं सीखेंगे। – We will not learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 6 अगस्त को विश्वभर में किस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है?
उत्तर: हिरोशिमा दिवस
व्याख्या: 6 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा नगर पर विश्व का पहला परमाणु बम गिराया गया था। इस घटना में लाखों लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। इस त्रासदी की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस (Hiroshima Day) मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में शांति, परमाणु निरस्त्रीकरण तथा युद्ध की विभीषिका के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। प्रतियोगी परीक्षाओं में इसकी तिथि, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य से संबंधित प्रश्न नियमित रूप से पूछे जाते हैं।
संदर्भ: Hiroshima Peace Memorial Museum; United Nations – Nuclear Disarmament; Britannica.

प्र.2. 5 अगस्त 2026 को RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक का निर्णय आना है — इस बैठक में मुख्यतः किस दर पर निर्णय लिया जाएगा? (समसामयिक घटना)
उत्तर: रेपो दर (Repo Rate)
व्याख्या: भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की अगस्त 2026 बैठक 3-5 अगस्त को आयोजित हुई और 5 अगस्त 2026 को निर्णय घोषित होना था। (Kpiasacademy) MPC (Monetary Policy Committee) की स्थापना RBI अधिनियम, 1934 की धारा 45ZB के अंतर्गत 2016 में हुई थी। इसमें RBI के 3 और सरकार द्वारा नामित 3 — कुल 6 सदस्य होते हैं। MPC का प्रमुख दायित्व "रेपो दर" (Repo Rate) निर्धारित करना है — जिस दर पर RBI वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। रेपो दर घटने से ऋण सस्ता होता है और अर्थव्यवस्था में माँग बढ़ती है। भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्य 4% (±2%) है।
संदर्भ: freejobalert.com Daily Current Affairs 4 August 2026

प्र.3. "Pradhan Mantri Surya Sarovar Yojana" (PM-SSY) को किस दिन अनुमोदित किया गया और इसका क्या लक्ष्य है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: 31 जुलाई 2026; 5,000 MW तैरती सौर ऊर्जा
व्याख्या: प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (PM-SSY) को 31 जुलाई 2026 को अनुमोदित किया गया। इस योजना का लक्ष्य सह-स्थित ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ 5,000 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर फोटोवोल्टेइक परियोजनाएँ विकसित करना है, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को बल मिले। (Drishti IAS) भारत की सौर क्षमता 2014 के लगभग 3 GW से बढ़कर 30 जून 2026 तक 162.15 GW हो गई है। (Drishti IAS) "तैरती सौर परियोजनाएँ" (Floating Solar PV) जलाशयों और झीलों की सतह पर स्थापित होती हैं जिससे जमीन की बचत होती है और जल-वाष्पीकरण कम होता है। केरल, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में ऐसी परियोजनाएँ सक्रिय हैं। यह SDG-7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
संदर्भ: kpiasacademy.com UPSC Current Affairs 3 August 2026; (Drishti IAS) PIB Ministry of

प्र.4. "प्राकृतिक आपदा" (Natural Disaster) और "मानव-जनित आपदा" (Man-made Disaster) में क्या अंतर है — बाढ़ किस श्रेणी में आती है और क्यों? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: प्राकृतिक — प्रकृति से; मानव-जनित — मानव गतिविधि से; बाढ़ — दोनों के कारण
व्याख्या: प्राकृतिक आपदा (Natural Disaster): पृथ्वी की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न — भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी, चक्रवात। मानव-जनित आपदा (Man-Made Disaster): मानव की गतिविधियों से उत्पन्न — तेल रिसाव, परमाणु दुर्घटना, रासायनिक विस्फोट। बाढ़ (Flood) एक "जटिल आपदा" है जो दोनों कारणों से होती है: प्राकृतिक कारण — अत्यधिक मानसून वर्षा, ग्लेशियर पिघलना; मानव-जनित कारण — वनों की कटाई, नदियों का अतिक्रमण, अनुचित जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन (CO_2 उत्सर्जन)। उत्तर बिहार में कोसी, गंडक और बागमती की बाढ़ दोनों कारणों का परिणाम है। NDMA बाढ़ को भारत की सबसे घातक और बारंबार होने वाली आपदा मानता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 11, Ch 7 Natural Hazards and Disasters, p. 94–100

प्र.5. जम्मू-कश्मीर से "अनुच्छेद 370" हटाने के लिए संसद में किस अनुच्छेद के अंतर्गत संकल्प पारित किया गया था? (इतिहास)
उत्तर: अनुच्छेद 370(3) के अंतर्गत राष्ट्रपति आदेश
व्याख्या: 5 अगस्त 2019 को राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने "संविधान (जम्मू-कश्मीर) आदेश, 2019" और "जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019" प्रस्तुत किए। अनुच्छेद 370(3) के अंतर्गत राष्ट्रपति ने इसे निराकृत (Abrogated) घोषित किया — इसके लिए "संविधान सभा" की सिफारिश आवश्यक थी जो 1957 में भंग हो चुकी थी, इसलिए J&K की विधानसभा (राज्यपाल शासन में "संसद") की अनुमति ली गई। साथ ही अनुच्छेद 35A (J&K के स्थायी निवासियों को विशेषाधिकार) भी समाप्त हुआ। सर्वोच्च न्यायालय ने दिसंबर 2023 में इस निर्णय को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 7 Federalism; Constitution of India, Article 370

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत के केंद्र शासित प्रदेश" (Union Territories) वर्तमान में कितने हैं और उनमें से किन दो में विधानसभा (Legislature) है? (भूगोल)

उत्तर: 8 केंद्र शासित प्रदेश; दिल्ली और जम्मू-कश्मीर (पुदुचेरी भी)

व्याख्या: भारत में वर्तमान में 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं: (1) जम्मू-कश्मीर, (2) लद्दाख, (3) दिल्ली, (4) पुदुचेरी, (5) चंडीगढ़, (6) दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव, (7) लक्षद्वीप, (8) अंडमान-निकोबार द्वीप समूह। इनमें से तीन केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा है: दिल्ली (अनु.239AA), पुदुचेरी और जम्मू-कश्मीर (2019 से)। शेष 5 में कोई विधानसभा नहीं — सीधे केंद्र सरकार का शासन। 2019 में लद्दाख को J&K से अलग करके बिना विधानसभा का केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 7 Federalism, p. 120;

प्र.7. "अनुच्छेद 356" (राष्ट्रपति शासन) और "अनुच्छेद 370" में क्या मूल अंतर है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनु.356 — अस्थायी शासन-तंत्र विफलता पर; अनु.370 — J&K की स्थायी विशेष स्वायत्तता

व्याख्या: अनुच्छेद 356: संवैधानिक तंत्र विफल होने पर किसी भी राज्य में लागू — यह अस्थायी और प्रतिवर्ती (Reversible) है। संसद की मंजूरी आवश्यक। अनुच्छेद 370: जम्मू-कश्मीर को विशेष रूप से दी गई स्वायत्तता — यह मूलतः "अस्थायी प्रावधान" (Temporary Provision) था किंतु दशकों तक स्थायी रहा। इसके तहत J&K का अपना संविधान, ध्वज और रक्षा/विदेश/संचार के अलावा अन्य विषयों में स्वायत्तता थी। 5 अगस्त 2019 को इसे निराकृत कर J&K को सामान्य केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। "बेरुबाड़ी यूनियन वाद (1960)" में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे संविधान का "अस्थायी" भाग माना था।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Ch 7 Federalism, p. 129;

प्र.8. "उत्प्लावन बल" (Buoyancy Force) क्या है और बाढ़ में किसी व्यक्ति के डूबने या तैरने में यह किस प्रकार सहायक होता है? (विज्ञान)

उत्तर: द्रव द्वारा वस्तु पर ऊपर की ओर लगा बल (आर्किमिडीज़ सिद्धांत); फेफड़ों में हवा = अधिक उत्प्लावन

व्याख्या: "उत्प्लावन बल" (Buoyancy/Upthrust) वह ऊपर की ओर लगने वाला बल है जो किसी द्रव (जैसे जल) में डूबी वस्तु पर लगता है — यह बल उस द्रव के वजन के बराबर होता है जिसे वस्तु ने विस्थापित किया है (आर्किमिडीज़ का सिद्धांत)। व्यक्ति का तैरना/डूबना: यदि व्यक्ति का घनत्व (Density) जल से कम है → उत्प्लावन बल > भार → वह तैरता है। फेफड़ों में हवा भरने से शरीर का घनत्व घटता है → "Back Float" स्थिति में व्यक्ति पानी की सतह पर रह सकता है। डूबने का कारण: घबराहट में हाथ-पैर चलाने से ऊर्जा व्यय होती है और व्यक्ति डूबने लगता है। शांत रहकर गहरी साँस लेने से फेफड़े हवा से भरते हैं और उत्प्लावन बढ़ता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 10 Gravitation — Buoyancy and Archimedes'

प्र.9. "अमृता शेरगिल" (Amrita Sher-Gil) को "आधुनिक भारतीय कला की जननी" क्यों कहा जाता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भारतीय और यूरोपीय कला का संगम करने वाली प्रथम आधुनिक भारतीय चित्रकार

व्याख्या: अमृता शेरगिल (1913-1941) को "भारतीय पिकासो" और "आधुनिक भारतीय कला की जननी" कहा जाता है। हंगेरी में जन्मी और पेरिस में प्रशिक्षित इस कलाकार ने यूरोपीय पोस्ट-इंप्रेशनिज्म और भारतीय लोक-कला (अजंता शैली, मुगल लघु चित्रकारी) का अनूठा संगम किया। उनकी प्रमुख कृतियाँ: "Three Girls" (1935), "Bride's Toilet" (1937), "South Indian Villagers Going to Market" (1937)। मात्र 28 वर्ष की आयु में निधन के बावजूद वे भारतीय कला जगत में अमर हैं। उनकी रचनाएँ राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली और नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में संग्रहीत हैं। भारत सरकार ने उनकी कृतियों को "राष्ट्रीय कला निधि" घोषित किया है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 11 Modern Indian Art;

प्र.10. बिहार में "5 अगस्त" को किस ऐतिहासिक स्वतंत्रता सेनानी से जुड़ी स्मृति के रूप में मनाया जाता है जिन्होंने चंपारण सत्याग्रह में योगदान दिया? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: डॉ. राजेंद्र प्रसाद (चंपारण सत्याग्रह में गाँधीजी के सहयोगी)

व्याख्या: डॉ. राजेंद्र प्रसाद (3 दिसंबर 1884 – 28 फरवरी 1963) बिहार के सिवान जिले के जीरादेई में जन्मे थे। वे 1917 के चंपारण सत्याग्रह में महात्मा गाँधी के प्रमुख सहयोगी थे। उन्होंने चंपारण के नील किसानों की स्थिति की जाँच और राहत कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गाँधीजी ने अपनी आत्मकथा में राजेंद्र बाबू की सरलता और समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। स्वतंत्रता के बाद वे संविधान सभा के अध्यक्ष और भारत के प्रथम राष्ट्रपति (1950-1962) बने। उन्हें 1962 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। पटना में "राजेंद्र स्मृति संग्रहालय" उनकी विरासत का केंद्र है।

संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 24–26;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W1 ("बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव") के अनुसार – बाढ़ में डूबने से बचाव के लिए "रस्सी-फेंक बचाव तकनीक" में बच्चों को क्या अभ्यास कराया जाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: रस्सी का एक सिरा पकड़ें, दूसरा सिरा डूबते व्यक्ति की ओर फेंकें, खींचकर किनारे लाएँ

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W1 के अंतर्गत "रस्सी-फेंक बचाव तकनीक" (Rope Throw Rescue) का अभ्यास अनिवार्य है। मॉक ड्रिल के चरण: (1) सामग्री: 10-15 मीटर की मजबूत रस्सी, दुपट्टा या बेल्ट – कोई भी लंबी वस्तु; (2) रस्सी का एक सिरा स्वयं के हाथ या किसी स्थिर वस्तु से बाँधें – ताकि स्वयं भी न खिंचें; (3) दूसरा सिरा गोलाकार घुमाकर डूबते व्यक्ति की ओर फेंकें – पहले से 1-2 मीटर आगे फेंकें; (4) डूबता व्यक्ति रस्सी पकड़े – शिक्षक/छात्र मिलकर धीरे-धीरे खींचें; (5) स्वयं कभी न कूदें – बाढ़ का तेज़ बहाव बचाने वाले को भी बहा सकता है। यह कौशल बिहार के बाढ़-प्रवण जिलों में बच्चों की जान बचा सकता है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W1 – "बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)": bsdma.org;

प्र.12. एक नाव शांत जल में 15 किमी/घंटा की चाल से चलती है। यदि धारा की चाल 5 किमी/घंटा हो, तो धारा के अनुकूल (Downstream) और धारा के प्रतिकूल (Upstream) नाव की चाल क्या होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: अनुकूल = 20 किमी/घंटा; प्रतिकूल = 10 किमी/घंटा

व्याख्या: नाव की शांत जल में चाल (u) = 15 किमी/घंटा; धारा की चाल (v) = 5 किमी/घंटा। धारा के अनुकूल (Downstream): चाल = u + v = 15 + 5 = 20 किमी/घंटा (धारा साथ देती है)। धारा के प्रतिकूल (Upstream): चाल = u − v = 15 − 5 = 10 किमी/घंटा (धारा विरुद्ध)। पुनर्प्राप्ति सूत्र: नाव की शांत जल चाल = (Downstream + Upstream) ÷ 2 = (20+10) ÷ 2 = 15 ✓; धारा की चाल = (Downstream − Upstream) ÷ 2 = (20−10) ÷ 2 = 5 ✓। "नाव और धारा" (Boats and Streams) BPSC, SSC, Railway, Bank PO परीक्षाओं का अत्यंत प्रचलित विषय है – विशेषकर बिहार के बाढ़-परिवेश में यह प्रश्न और भी प्रासंगिक है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 Direct and Inverse Proportions; Quantitative Aptitude – R.S. Aggarwal, Ch Boats and Streams;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

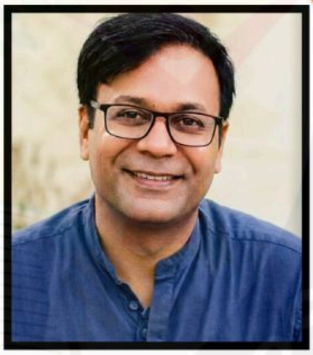

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Sporadic (स्पोरैडिक) = Occasional (अकेशनल) = छिटपुट / कभी-कभी होने वाला
  Antonym – Frequent (फ्रीक्वेंट) = बार-बार होने वाला

Transient (ट्रांज़िएन्ट) = Temporary (टेम्परारी) = अस्थायी / क्षणिक
  Antonym – Permanent (परमानेंट) = स्थायी

Vindicate (विन्डिकेट) = Justify (जस्टिफ़ाई) = निर्दोष सिद्ध करना / सही ठहराना
  Antonym – Condemn (कन्डेम) = दोषी ठहराना / निंदा करना

Wistful (विस्टफुल) = Longing (लॉन्गिंग) = स्मृतिमय लालसा से भरा / उदास-सा आकांक्षी
  Antonym – Content (कन्टेन्ट) = संतुष्ट

Zenith (ज़ीनिथ) = Peak (पीक) = सर्वोच्च बिंदु / चरम अवस्था
  Antonym – Nadir (नेडिर) = निम्नतम बिंदु / पतन की चरम अवस्था

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Quantum Computing Grid 2.0' to Boost Indigenous Supercomputing and Cryptography.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग और क्रिप्टोग्राफी को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय क्वांटम कंप्यूटिंग ग्रिड 2.0' का अनावरण किया।
केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत शोधकर्ताओं और एग्री-टेक/हेल्थ-टेक स्टार्टअप्स को उच्च क्षमता वाले क्वांटम सिमुलेटर और सुरक्षित नेटवर्क अवसंरचना प्रदान करने के लिए एक नए राष्ट्रीय ग्रिड की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य भारत को क्वांटम तकनीक और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Freight and EV Mobility Index 2026', Highlighting Green Logistics Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत शहरी मालवहन एवं ईवी गतिशीलता सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें हरित रसद बुनियादी ढांचे को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में शहरी माल ढुलाई में कार्बन उत्सर्जन कम करने, लॉजिस्टिक्स पार्कों के निर्माण और कमर्शियल वाहनों के ई-फ्लीट रूपांतरण में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सूचकांक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के तहत राज्यों के सतत प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है।

English Headline: ISRO Successfully Completes Flight Acceptance Test of Indigenously Developed Carbon-Composite Structural Fairings for SSLV.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने एसएसएलवी (SSLV) के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कार्बन-कंपोजिट संरचनात्मक फेयरिंग का उड़ान स्वीकृति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV) के लिए हल्के और अत्यधिक मजबूत कार्बन-कंपोजिट पेलोड फेयरिंग का सफल हॉट परीक्षण किया है। यह स्वदेशी तकनीक व्यावसायिक उपग्रहों के प्रक्षेपण की लागत में कमी लाएगी और पेलोड क्षमता में वृद्धि करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Historic Resolution Establishing Global Framework for Ocean Biodiversity and Deep-Sea Protection.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महासागरीय जैव विविधता और गहरे समुद्र के संरक्षण के लिए वैश्विक ढांचा स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र (High Seas) के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए एक बहुपक्षीय संधि को मंजूरी दी गई। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य समुद्री विविधता को बनाए रखना, समुद्री संसाधनों के दोहन को विनियमित करना और विकासशील देशों के लिए न्यायसंगत लाभ-साझाकरण सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Announce Joint $2.5 Billion Climate Infrastructure Fund for South Asian Coastal Belt.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई तटीय पट्टी के लिए संयुक्त $2.5 बिलियन के जलवायु बुनियादी ढांचा कोष की घोषणा की।
समुद्र का जलस्तर बढ़ने और चक्रवाती तूफानों के खतरे का सामना कर रहे दक्षिण एशियाई देशों (विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका) के तटीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए यह पैकेज मंजूर किया गया है। इस राशि का उपयोग चक्रवात रोधी आश्रयों, सुरक्षा तटबंधों और मैंग्रोव संरक्षण के लिए होगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Network 3.0' for Real-Time Epidemic Early Warning.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में महामारी की पूर्व चेतावनी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स नेटवर्क 3.0' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण नए संक्रामक रोगों के खतरे से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने जिनेवा में एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह प्रणाली विभिन्न देशों से प्राप्त जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण कर संभावित महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी जारी करेगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Export and Agro-Processing Policy 2026' to Subsidize Rural Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सब्सिडी देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-निर्यात एवं कृषि-प्रसंस्करण नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को स्वीकृति दी है। इसके तहत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज और सीधे निर्यात में लगे कृषि-स्टार्टअप्स को विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetlands in Kosi-Seemanchal Region.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-सीमांचल क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पूर्वी बिहार के पारंपरिक जल निकायों और संवेदनशील पारिस्थितिकीय आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य अतिक्रमण रोकना, प्राकृतिक जल संचयन को बढ़ावा देना और क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Tops Medal Tally at Asian Grand Prix Stage Tournament with Gold Medals in Recurve and Compound.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण पदकों के साथ एशियन ग्रैंड प्रिक्स स्टेज टूर्नामेंट की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस जीत ने भारत की अंतरराष्ट्रीय खेल रैंकिंग को और मजबूत किया है।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Unveils Updated Athlete Workload and Recovery Guidelines for Global Circuit Events.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने वैश्विक सर्किट प्रतियोगिताओं के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार और रिकवरी दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और चोटों से बचाव के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ (BWF) ने नए तकनीकी नियम अधिसूचित किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख टूर्नामेंटों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और चिकित्सा रिकवरी मानकों को लागू किया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"दो दीपकों का रहस्य"

तक्षशिला गुरुकुल में एक संध्या आचार्य चाणक्य दीपक के प्रकाश में ग्रंथ लिख रहे थे। तभी एक शिष्य ने पूछा, "गुरुदेव, मनुष्य महान कैसे बनता है? क्या केवल ज्ञान ही पर्याप्त है?"

चाणक्य ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने जलते दीपक की ओर संकेत किया और दूसरे दीपक को उसी लौ से जला दिया। अब दोनों दीपक समान प्रकाश देने लगे।
चाणक्य बोले, "देखो, पहले दीपक का प्रकाश कम नहीं हुआ, बल्कि अंधकार और घट गया।"
शिष्य ध्यान से सुन रहा था।

चाणक्य ने आगे कहा, "ज्ञान भी इसी दीपक की लौ जैसा है। जो इसे अपने तक सीमित रखता है, उसका प्रकाश एक स्थान तक ही रहता है। जो दूसरों को ज्ञान देता है, उसका तेज कम नहीं होता, बल्कि समाज और अधिक प्रकाशित होता है।"

फिर उन्होंने कहा, "सच्चा गुरु वह नहीं जो केवल विद्वान हो, बल्कि वह है जो अपने ज्ञान से दूसरों का जीवन भी प्रकाशित करे।"
शिष्य ने प्रणाम करते हुए कहा, "गुरुदेव, आज समझ आया कि महानता ज्ञान रखने में नहीं, ज्ञान बाँटने में है।"
चाणक्य मुस्कुराए और बोले, "यही ज्ञान की सबसे बड़ी विजय है।"

सीख: ज्ञान बाँटने से घटता नहीं, बल्कि समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

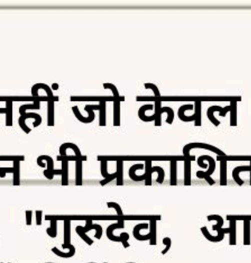

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्विच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 — **बगहा जागरण**

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : शेखपुरा, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: शेखपुरा: प्याज व दलहन आर्थिकी, पत्थर उद्योग और भावी विकास

शेखपुरा की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके पावन धामों, सूफी मज़ारत और स्थानीय लोक-उत्सवों में धड़कता है। गिरहिंडा पहाड़ी का महाशिवरात्रि मेला और सामस विष्णु धाम का वार्षिक उत्सव पूरे जिले को एक रंगारंग सांस्कृतिक डोर में पिरोता है। इसके साथ ही, हज़रत शेख कमाल की मज़ार का वार्षिक उर्स सांप्रदायिक सद्भाव और 'गंगा-जमुनी तहजीब' का एक मजबूत प्रतीक है, जहाँ स्थानीय किसान, व्यापारी और सभी वर्गों के लोग एक साथ मिलकर इस सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ बनाते हैं।

आर्थिक और कृषि मोर्चे पर शेखपुरा की मुख्य पहचान 'प्याज और दलहनी फसलों की सघन खेती' पर आधारित है। बरबीघा और शेखपुरा प्रखंड के उपजाऊ मैदानी इलाके संपूर्ण बिहार में गुणवत्तापूर्ण प्याज (Onion Production) के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं। रबी सीजन के दौरान यहाँ के किसान चना, मसूर, सरसों और प्याज की खेती से स्थानीय कृषि मंडियों को बड़ी वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करते हैं। बरबीघा की सब्जी मंडी पूर्वी बिहार के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्रों में से एक मानी जाती है।

औद्योगिक और खनिज परिदृश्य की बात करें तो शेखपुरा में स्थित पहाड़ियों से होने वाला गिट्टी व पत्थर खनन (Stone Crushing Industry) यहाँ की अर्थव्यवस्था का मुख्य गैर-कृषि स्तंभ है। शेखपुरा और अरियरी प्रखंडों के पत्थर क्रशर इकाइयाँ पटना, नालंदा और लखीसराय सहित पूरे मध्य बिहार के निर्माण क्षेत्र को कंक्रीट व गिट्टी की आपूर्ति करती हैं। इस उद्योग से हज़ारों स्थानीय मजदूरों और परिवहन कारोबारियों को सीधे आजीविका मिलती है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो शेखपुरा में 'प्याज प्रसंस्करण' (Onion Processing units) और 'एग्रो-लॉजिस्टिक्स' की अपार संभावनाएं हैं। बरबीघा में आधुनिक कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क और प्याज के डिहाइड्रेशन प्लांट स्थापित कर यहाँ के किसानों को सीधी बाजार पहुँच प्रदान की जा सकती है। इसके साथ ही, सामस विष्णु धाम और गिरहिंडा धाम को नालंदा-पावापुरी टूरिस्ट सर्किट से एकीकृत कर 'रिलीजियस व हेरिटेज टूरिज्म' का एक नया कॉरिडोर विकसित किया जा सकता है, जो स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा।

शेखपुरा का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह छोटा सा जिला अपनी ऐतिहासिक सूफी चेतना, पुरातात्विक समृद्धि, पत्थर उद्योग और प्याज-दलहन की मजबूत आर्थिकी के साथ बिहार की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। गिरहिंडा धाम की शंखध्वनि से लेकर बरबीघा की हरी-भरी कृषि मंडियों तक—शेखपुरा स्वावलंबन और विकास का एक अनूठा मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

दैनिक जागरण

www.jagran.com

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा : विभाग के द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के बाद विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न सिर्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची कर्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की बदौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों का माहौल बदलने में सफल हो रहे। इसी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे इससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के लिए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो शिक्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और अभिषेक कुमार को रमना स्थित हाडिटोरियम हाल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया था। जिलाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्षकों, ग्रामीणों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दोनों सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी।

दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 27-07-2026

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों

शैलेन्द्र कुमार अभिषेक कुमार

की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

बिहार सरकार

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री........ शैलेन्द्र कुमार ....

पदनाम........ प्रधानाध्यापक .... विभाग/शाखा........ रा० प्रा० वि० बोदसर, बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक (BPSC)
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा -2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

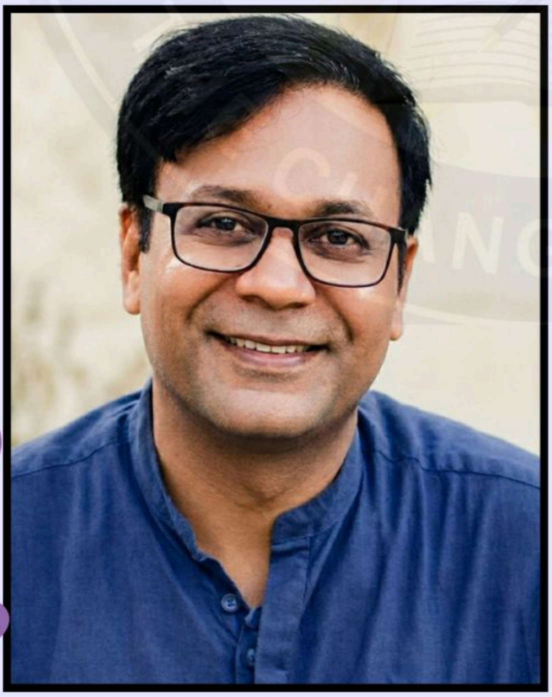

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org